निम्न पत्रक बॉयो रे में उपलब्ध है:

1. बीजामृत (बीज उपचार)
2. सी. पी. पी. + गौमुत्र (बीज उपचार)
3. निम्बोली का अर्क
4. जि. ओ. सी.
5. टॉप टेन
6. नीम तेल और हिंग
7. गौमुत्र
8. छाछ
9. कपास की प्राथमिक अवस्था में रक्षा
10. जीवामृत
11. स्प्रे केसै करें

The leaflets are available in English and Hindi

उपरोक्त पत्रक हिन्दी और इंग्लिश मे उपलब्ध है।

इस पत्रक मे दि गई जानकारी बॉयो रे के अधिकारीयो के ज्ञान व बॉयो रे किसानों के अनुभव के आधार पर दि गई है। इसमें कुछ विधीयॉ जो दुसरे राज्यों के जैविक किसानों द्वारा अपनाई गई है उन्हे सम्मिलित किया है तथा कुछ विधीयों को पीटर प्राक्टर द्वारा प्रस्तावित बॉयोडायनामिक पद्वति से लिया गया है (जैसे सी.पी.पी.)।

bioRe® Research Station
5th km Milestone, Mandleshwar road
Kasrawad, Distr. Khargone
MP-451228 India
Tel.: +919926838549
Email: biore.lokendra@gmail.com

तारीख: फ़रवरी 2014

लेखक: लोकेन्द्र सिंह मण्डलोई
क्लाउडीया उट्स्
जुलियाना ज्वाईफैल्
राजीव वर्मा

FiBL

सलाह पत्रक

bioRe®

स्वयं निर्मित जैविक उत्पाद को बनाना और उनका उपयोग करना।

जीवामृत

उपयोग: जीवामृत पौधो कि ओजस्वता व अच्छी बडवार को बडावा देता है।

सामग्री

गाय का गोबर
10 किलो

गौमुत्र 10
लिटर

गुड
500 ग्राम

किसी भी दाल
का बैसन 250
ग्राम

मैड की मिट्टी
1 किलो

पनी 80
लिटर

साधन

* 2 बडे ड्रम (100 लिटर)
* बाल्टीया अवष्यकतानुसार
* घोलने के लिये लकडी

असर प्रणाली

जीवामृत पौधों की वृद्धि के लिए आवष्यक पोषक तत्व उपलब्ध कराने मे मदद करता हैं व लाभकारी सुक्ष्मजीवों के लिए एक अनुकुल वातावरण प्रदान करता है। इस तरीके में, यह जैविक गतिविधि को बढ़ावा देता है और फसल के लिए पोषक तत्वों की उपलब्धता को बढाता है। इसका उपयोग उच्च विकास, उपज और फसलों की गुणवत्ता को बढाने के लिए करतें है।

उपयोग

यहॉ जीवामृत को डालने के 3 तरीके हैः

1. मिट्टी मे जडों के पास (स्प्रेय पम्प से या अन्य उपकरण से जैसे प्लास्टीक मग).
2. इसे छानकर स्प्रेय पम्प से पौधों पर स्प्रेय करना.
3. इसे सिंचाई के माध्यम से सिंचाई नाली मे डालकर।

मात्राः	1.5 लिटर जीवामृत प्रति पम्प (15 लिटर पानी में) स्तमाल करे।
रखने की अवधिः	4 दिन मे इसका उपयोग करले।
सीमाएः	इसका उपयोग एक सिजन मे 3 आर से अधीक नहीं करना चाहीए. इसके अधीक उपयोग से फसल पिली हो सकती है।
सक्रिय तत्वः	मुख्य पोषक तत्व, आवष्यक सूक्ष्म पोषक तत्व, विटामिन, आवष्यक अमीनो एसिड व वृद्धि कारक हार्मोस।

बनाने कि विधि

चरण 1: सशी ठोस पदर्थो को अलग – अलग निम्न पानी मे अच्छी तरह घोल ले ताकी उनके ढेले न रहेः

- गाय का गोबर 20 लिटर पानी मे।
- गुड 2 लिटर पानी मे।
- बैसन 1 लिटर पानी मे।
- मेड की मिट्टी 5 लिटर पानी मे।

चरण 2: सशी पदार्थो के घोल को एक ड्रम मे मिलाले साथ ही गौमुत्र भी मिलादे।

चरण 3: शेष पानी कि मात्रा ड्रम मे मिलाये ताकी मिश्रण का आकार 100 लिटर हो जाऐ अतः मिश्रण को 10 मिनट अच्छी तरह घोले।

चरण 4: ड्रम के मुॅह को कपडे या टाट से बांध कर इसे छाव मे रखें, मिश्रण को प्रती दिन, दिन मे 3 बार 10 मिनट तक हिलाऐ।

4 दिन के बाद जीवामृत उपयोग के लिये तैयार हो जाता हे।

चरण 5: इसे 10 गुना तरल करे।

उदाहरणः 10 लिटर जिवअमृत को 100 लिटर पानी मे मिलाले।

अब इसे सलाह पत्रक मे दांये तरफ दिये अनसार उपयोग करे।